बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

नोह और भयंकर बाढ़

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Byron Unger; Lazarus
अनुवाद : info@christian-translation.com
रूपान्तरकार : M. Maillot; Tammy S.

60 कहानियों में से 3 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

नोह एक ऐसा व्यक्ति था जो परमेश्वर की पूजा करता था। सबके-सब परमेश्वर से घृणा और उनकी अवज्ञा करते थे। एक दिन परमेश्वर ने कुछ आश्चर्यजनक कहा।

1

“मैं कमजोर दुनिया को उजाड़ दूँगा।” परमेश्वर ने नोह से कहा “केवल तुम्हारा परिवार ही बचाया जा सकेगा।”

2

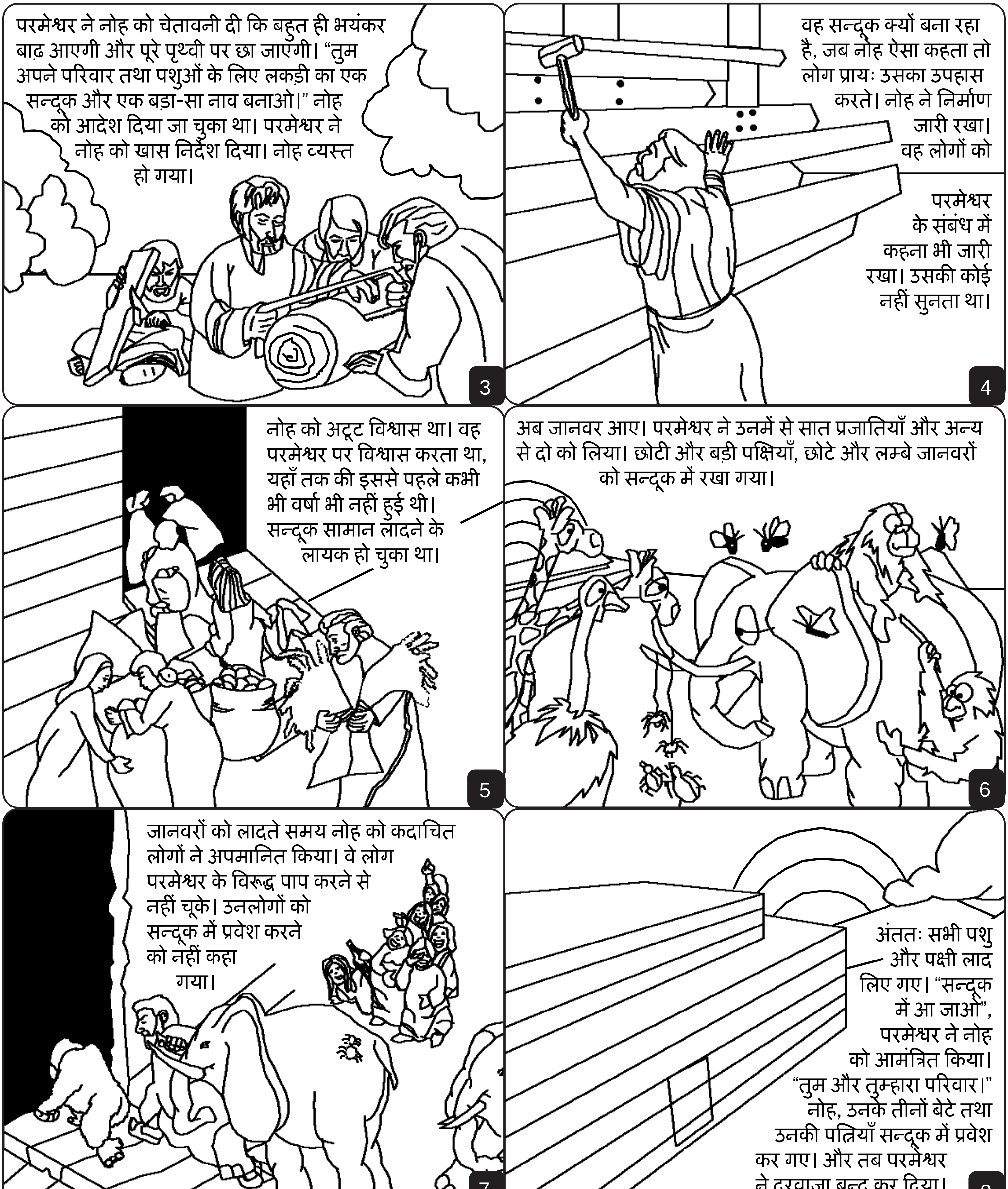
परमेश्वर ने नोह को चेतावनी दी कि बहुत ही भयंकर बाढ़ आएगी और पूरे पृथ्वी पर छा जाएगी। "तुम अपने परिवार तथा पशुओं के लिए लकड़ी का एक सन्दूक और एक बड़ा-सा नाव बनाओ।" नोह को आदेश दिया जा चुका था। परमेश्वर ने नोह को खास निर्देश दिया। नोह व्यस्त हो गया।
3
वह सन्दूक क्यों बना रहा है, जब नोह ऐसा कहता तो लोग प्रायः उसका उपहास करते। नोह ने निर्माण जारी रखा। वह लोगों को
परमेश्वर के संबंध में कहना भी जारी रखा। उसकी कोई नहीं सुनता था।
4
नोह को अटूट विश्वास था। वह परमेश्वर पर विश्वास करता था, यहाँ तक की इससे पहले कभी भी वर्षा भी नहीं हुई थी। सन्दूक सामान लादने के लायक हो चुका था।
5
अब जानवर आए। परमेश्वर ने उनमें से सात प्रजातियाँ और अन्य से दो को लिया। छोटी और बड़ी पक्षियाँ, छोटे और लम्बे जानवरों को सन्दूक में रखा गया।
6
जानवरों को लादते समय नोह को कदाचित लोगों ने अपमानित किया। वे लोग परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं चूके। उनलोगों को सन्दूक में प्रवेश करने को नहीं कहा गया।
7
अंततः सभी पशु और पक्षी लाद लिए गए। "सन्दूक में आ जाओ", परमेश्वर ने नोह को आमंत्रित किया। "तुम और तुम्हारा परिवार।" नोह, उनके तीनों बेटे तथा उनकी पत्नियाँ सन्दूक में प्रवेश कर गए। और तब परमेश्वर ने दरवाजा बन्द कर दिया।
8

तब वर्षा आरंभ हुई। चालीस दिनों तक दिन
और रात मूसलाधार बारिस होती रही।
9

गाँव और
शहरों के ऊपर से बाढ़
का पानी बहने लगा। जब
बारिश रूकी तो यहाँ तक की पहाड़ भी
पानी में डूब चुका था। हवा साँस लेने
वाला प्रत्येक प्राणी मर चुका था।
10

जैसे-जैसे पानी बढता, सन्दूक
ऊपर तैरता। अंदर अँधेरा, ऊबड़-
खाबड़, और डरावना हो सकता
था, पर सन्दूक नोह को बाढ़ से
पनाह देता रहा।
11

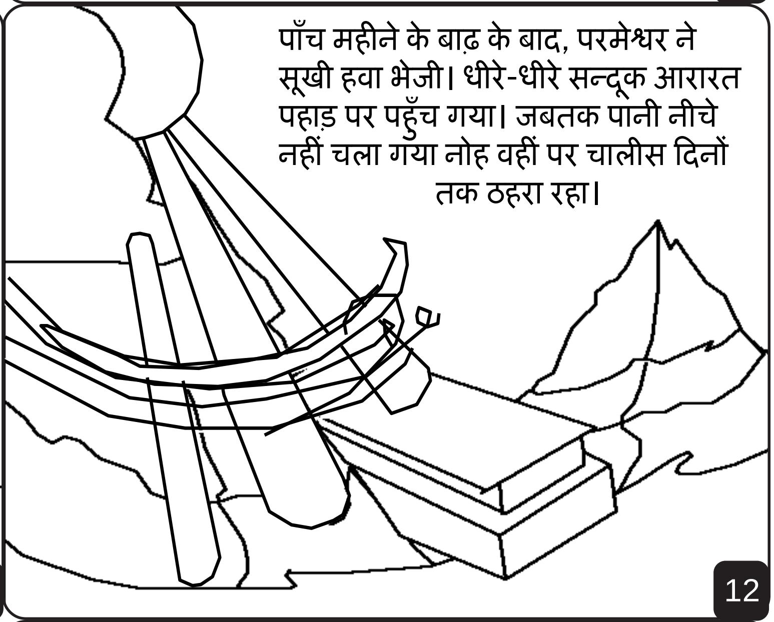
पाँच महीने के बाढ़ के बाद, परमेश्वर ने
सूखी हवा भेजी। धीरे-धीरे सन्दूक आरारत
पहाड़ पर पहुँच गया। जबतक पानी नीचे
नहीं चला गया नोह वहीं पर चालीस दिनों
तक ठहरा रहा।
12

नोह ने सन्दूक खोलकर
एक कौआ और एक बत्तख को
भेजा। कहीं भी उसे सूखा और
साफ जगह नहीं मिला, इसलिए
बत्तख नोह के पास वापस आ गया।
13

एक सप्ताह बाद नोह ने
फिर प्रयास किया। बत्तख
अपनी चोंच में जैतून की एक
नयी पत्ती लेकर वापस आया।
अगले सप्ताह नोह ने जाना कि
अब पृथ्वी सूख चुकी है क्योंकि
बत्तख वापस नहीं
आया।
14

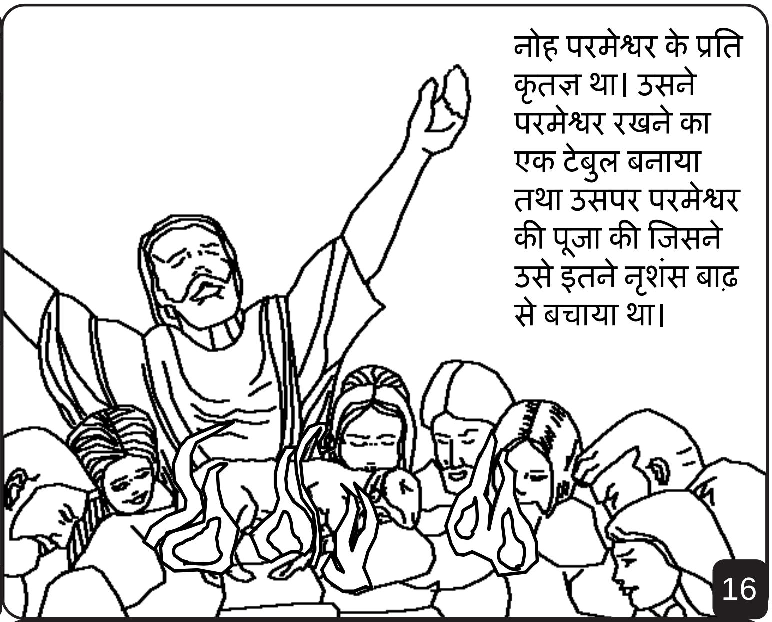

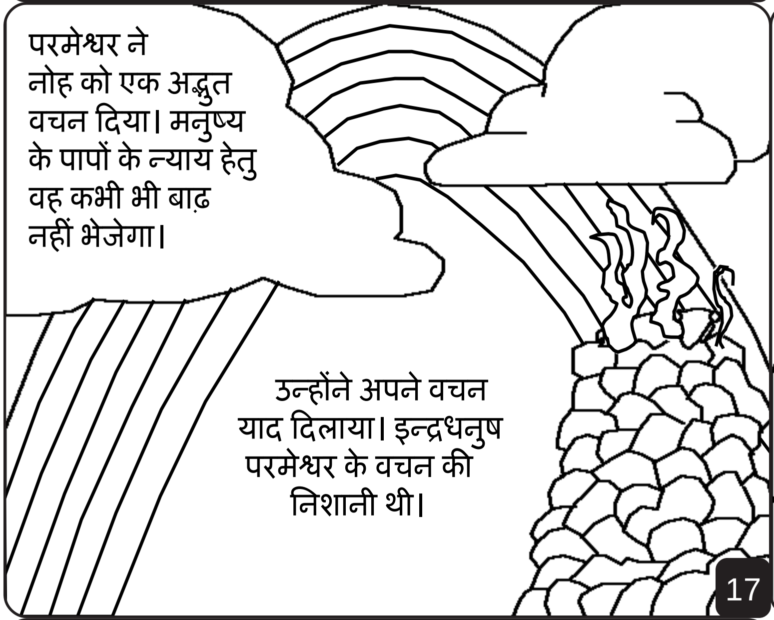

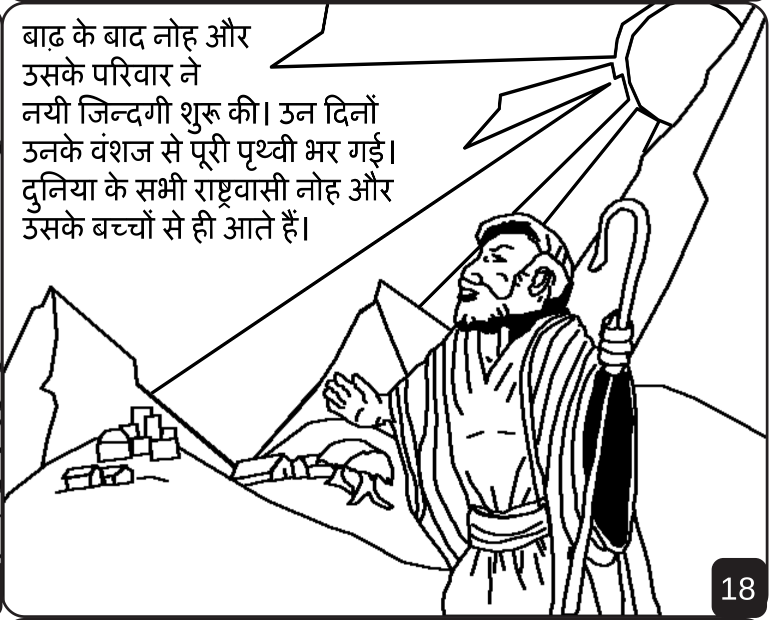

नोह और भयंकर बाढ़

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

जेनेसिस 6-10

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन.   जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.